INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

1730-00
870-00
2600/-

1760.00
36.00
1796.00

2.50
0.94
3.44
1799.44

(1) लेख्यकारी :- श्री इसाहक गुड़िया पिता स्व0 जोसेफ गुड़िया, जाति मुण्डा पेशा खेती बारी, निवास गाँव सलडेगा थाना सिमडेगा, जिला गुमला --- (दाता)

शपथ-पत्र संख्या- 167/97

(2) लेख्यधारिणी :- श्रीमती सुबरदानी गुड़िया पति श्री सुरसेन तोपनो जाति मुण्डा, पेशा गृहिणी, निवास गाँव सलडेगा थाना सिमडेगा जिला गुमला - (गृहीता)

शापथ-पत्र संख्या - 168/97

(3) लेख्यप्रकार :- दान-पत्र (हिब्बानामा)

(4) मालियत :- मोबलिग तैंतालिस हजार पाँच सौ रूपये अंके 43,500/- रूपये जिसका आधा एक्कीस हजार सात सौ पचास रूपये अंके 21,750/- रूपये होता है ।

नाम इसाहक गुड़िया सलडेगा
थाना सिमडेगा गुमला
1000x1
वास्ते दानपत्र Sabina Rajendra Singh

अनुज्ञप्ति संख्या – 4/86

महाशय,
क्रम संख्या 112, 113, 114, 115 कुल मिलाकर 2600/= (छब्बीस सौ रुपये) का दिया गया।

दिनांक 11-9-97

इसाहक गुड़िया
इसाहक गुड़िया
सलडेगा

इसाहक गुड़िया
11-9-97

उपर्युक्त श्री इसाहक गुड़िया ने लेख्य का निष्पादन स्वीकार किया है जिनकी पहचान सहाय केरकेट्टा पिता स्व० जोहन केरकेट्टा सह ग्रामीण पेशा खेती ने की है।

क्र. 62/प्र3/97

क्र. 63/प्र3/97

इसाहक गुड़िया
11-9-97
60 नि० सहाय केरकेट्टा
11-9-97

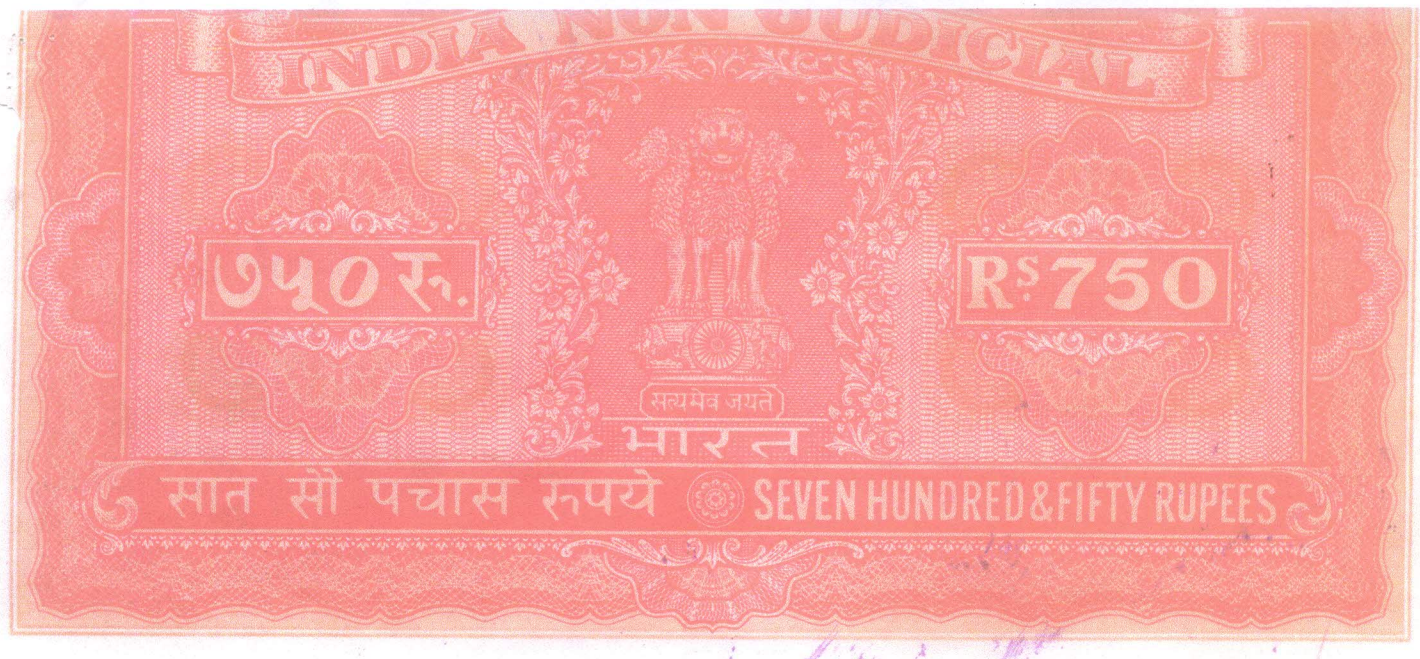

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु. Rs 750

सत्यमेव जयते

भारत

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

§5§ सम्पति :- सराजियात 0·06 एकड़ § छ: डिसमील§ जमीन हकियत काश्त कायमी खतियानी वाके मौजा सलडेगा थाना सिमडेगा थाना संख्या 117 सबरजिस्ट्री ऑफिस सिमडेगा सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला गुमला अन्दर खाता संख्या 24 §चौबीस§ प्लाट संख्या 497 § चार सौ संतानब्बे § रकबा कुल 0·78 एकड़ § अठातर डिसमील§ मैं से 0·06 एकड़ § छ: डिसमील§ जानिब दक्षिणी पूर्वी भाग टांड़ दर्जा तीन जिसकी चौहद्दी उत्तर- नीज दक्षिण सुरेश मिस्त्री का मकान वो जमीन,पूरब-स्तानिसलास कुल्लु का टांड़ वो पश्चिम नीज इसी जमीन का बाकी हिस्सा जिसका मालगुजारी मोबलिग 25 पैसे अलावे शेष सलाने । बिक्रीत जमीन सलडेगा सोनारटोली में स्थित है एवं आबादी के नजदीक में है ।

§1§ चूँकि मैं अब बृद्ध हो चुका हूँ । दान गृहीता मेरी बेटी है जो बड़ी लग्न और भक्ति के साथ मेरी सेवा सुश्रूषा करती है और मेरे घर के सारे काम धंधा खेती बारी की भी देखभाल करती है जिससे मैं अति प्रसन्न हूँ और मेरी इच्छा हुई कि इन्हे अपनी सम्पति में से कुछ दान में दूँ और उसने भी दान लेना स्वीकार की ।

§2§ इसलिए मैं ने अपनी इच्छा मन वो शरीर की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या 5 में वर्णित जमीन उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ सदा दिन के लिए दान

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु. Rs 750

सत्यमेव जयते

भारत

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

में दे दिया । अब से दान में दी गई जमीन पर मेरा कोई हक दखल वो अधिकार नहीं रहा और न मेरे किसी भी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का ।

§3§ चूँकि हम दान दाता एवं दान गृहीता आदिवासी समुदाय के सदस्य हैं अतएव दान देने की अनुमति हेतु श्रीमान उप समाहर्ता भूमि सुधार सिमडेगा की अदालत में आवेदन दिया जिसका वाद संख्या 130/96-97 और स्वीकृति दिनांक 30.4.97 को प्रदान की गई ।

§4§ अब चाहिए कि दान गृहीता दान में दी गई जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर उसमें अपने रहने के लिए मकान, कुँआ बारी बनावे और अपने मशरफ में लावें वो बिहार सरकार बजरिए अंचल कार्यालय सिमडेगा से अपने नाम दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख से अदाय मालगुजारी के खास नाम से रसीद हासिल करें ।

§5§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि दान में दी गई जमीन अपनी खतियानी जमीन है जिसपर मैं निर्विवाद हक वो दखलकार हूँ जमीन पर किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या वारदेन नहीं है ।

इसलिए यह दान-पत्र §हिब्बानामा§ सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरी पर काम आवे ।

मैं घोषणा करता हूँ कि दान में दी गई जमीन वो पचत जमीन सीलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही-

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

बाजे रहे कि प्रथम स्टाम्प के लाइन दस पर हजार के बाद उपर पांच सौ लिखा ठीक है । दान दाता का हस्ताक्षर है ।

सही- लिखित जमीन दान में लेना मैं स्वीकार करी। सुकरमनी गुड़िया 10.9.97

ब- इकरार मोकिर के इस दान-पत्र का प्रारूप तैयार कर दान दाता एवं दान गृहीता को गवाहान के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे सुन समझकर प्रारूप स्वीकार किये ।

अरूपलाल

प्रारूपकर्ता, 11.9.97

अधिवक्ता, सिविल कोर्ट, सिमडेगा ।

टंकक :- इग्नेस टोप्पो, टंकक, कचहरी परिसर, सिमडेगा ।

सही - Ignace Toppo 10.9.97